केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 103 बुधवार 4 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मोबाइल टावरों से बैटरी चुराने वाले 2 गिरफ्तार



–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। मोबाइल टावरों से लिथियम बैटरी चोरी कर बाजार में बेचने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुरानी बस्ती पुलिस, एसओजी और एंटी थेफ्ट टीम ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की आठ लिथियम बैटरी, एक मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पूछताछ में दोनों ने गोंडा जिले में अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर दो मोबाइल टावरों से 14 बैटरियां चोरी करने की बात स्वीकार की है।मंगलवार दोपहर तीन बजे पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता कर एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। मंगलवार भोर में चौनपुरवा ओवरब्रिज की सर्विस लेन पर चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को पकड़ा गया।

उनकी पहचान गोंडा जिले के उमरीबेगमगंज थाना क्षेत्र के दुनियापुरवा चंगेरी निवासी लवकुश सिंह (32) और बस्ती के सोनहा थाना क्षेत्र के मधवापुर निवासी सुनील कुमार यादव (33) के रूप में हुई।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने तीन साथियों उत्कर्ष सिंह, अमित सिंह और सावन सिंह के साथ मिलकर 11–12 अक्टूबर की रात गोंडा के अल्लीपुर बनुआ गांव स्थित मोबाइल टावर से आठ लिथियम बैटरियां चोरी की थीं।

संयुक्त विकास आयुक्त ने किया सरस मेले का निरीक्षण



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित मंडलीय सरस मेले का मंगलवार को संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन कर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त विकास आयुक्त ने विभिन्न जनपदों से आए स्वयं सहायता समूहों के स्टालों पर प्रदर्शित हस्तनिर्मित वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प एवं घरेलू उपयोग की सामग्री का जायजा लिया। उन्होंने समूहों की महिलाओं से उनके उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया, गुणवत्ता, लागत, बिक्री एवं बाजार में उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि सरस मेला ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराता है।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपने उत्पादों की पहचान स्थापित करने, बाजार से जुड़ने तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने मेले में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा समूहों के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

1.89 करोड़ से अधिक परिवारों को बड़ा तोहफा योगी सरकार ने भेजा गैस सिलेण्डर का रूपया

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवाली से पहले यूपी के 1.89 करोड़ से अधिक परिवारों को बड़ा तोहफा दिया है। दिवाली पर रसोई गैस सिलेंडर का पैसा खाते में भेज दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जल्द ही प्रदेश के अन्नदाता किसानों के फसल नुकसान की भरपाई और महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए बड़ा पैकेज लाएगी। लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1500 करोड़ रुपये की धनराशि बटन दबाकर सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक भरे हुए सिलेंडर की कीमत 983.45 रुपये होती है, जिसमें भारत सरकार 335.40 रुपये की सब्सिडी देती है। जो 648.55 रुपये लाभार्थियों को खुद खर्च करने पड़ते थे, वह धनराशि राज्य सरकार ने दीपावली के उपहार स्वरूप सीधे गैस कंपनियों को भेज दी है। अब लाभार्थी मुफ्त में सिलेंडर प्राप्त कर 650 रुपये की इस बचत से दीपावली की मिठाई और दीये खरीद सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों और महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं करते हुए कहा कि अल नीनो, जलवायु परिवर्तन, अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ओलावृष्टि से किसानों की खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है। नुकसान का तात्कालिक मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन सरकार प्रदेश के तीन करोड़ किसान परिवारों के लिए जल्द ही एक अलग विशेष आर्थिक पैकेज लेकर आएगी। इसके साथ ही, आधी आबादी को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए भी सरकार एक बड़ा पैकेज ला



रही है, जिससे महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो सकें और बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर परिवार का संबल बन सकें। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश के बुरे हाल थे। विकास ठप था और कॉमनवेल्थ, 2जी व कोल जैसे घोटाले आम बात थे। रसोई गैस कनेक्शन लेने के लिए पापड़ बेलने पड़ते थे और 25 से 50 हजार रुपये तक की घूसखोरी चलती थी। 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बलिया सेउज्ज्वला योजना का शुभारंभ कर इस घूसखोरी पर रोक लगाई। आज उसी का परिणाम है कि वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 140 करोड़ भारतीयों में से 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

156 गुमशुदा मोबाइल बरामदः पुलिस ने लौटाये तो खिले चेहरे



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस की सर्विलांस सेल ने अलग–अलग कंपनियों के 156 गुमशुदा मोबाइल बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 28 लाख रुपए बताई गई है। मंगलवार को पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे गए।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि जिले के विभिन्न थानों में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल गुम होने की शिकायतें मिली थीं। इन पर कार्रवाई करते हुए सर्विलांस टीम ने 156 मोबाइल बरामद किए। जनवरी 2026 से अब तक पुलिस कुल 743 गुमशुदा मोबाइल बरामद कर चुकी है।

एसपी ने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने पर तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि पुलिस समय से कार्रवाई कर सके। उन्होंने कहा कि पुलिस आगे भी इस तरह के अभियान जारी रखेगी।

यह कार्रवाई एसपी ओमवीर सिंह के आदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी अपराध कुलदीप सिंह यादव के पर्यवेक्षण में की गई। सर्विलांस सेल प्रभारी शेषनाथ यादव और उनकी टीम ने तकनीकी मदद से मोबाइल ट्रेस किए। टीम में हेड कांस्टेबल देवेश यादव, सतेन्द्र सिंह, कांस्टेबल दीपक कुमार, विक्रम सिंह, संतोष कुमार यादव, अंगद यादव और किशन सिंह शामिल रहे। बरामद मोबाइल पाने वालों में बस्ती के लोगों के साथ मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और बिहार के नागरिक भी शामिल रहे। इसके अलावा अयोध्या, प्रयागराज, कानपुर, आजमगढ़ और सिद्धार्थनगर समेत उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों के लोगों को भी उनके मोबाइल लौटाए गए। खोए हुए फोन वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे।

पश्चिम एशिया में अब तक 23 भारतीयों की मौत, काला सागर क्षेत्र में 5 नागरिकों ने गंवाई जान

नई दिल्ली (आभा)। ओमान के तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। इसके बाद, पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच, भारत ने मंगलवार को एक बार फिर शांति बहाल करने और समुद्री आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए ष्वातचीत और कूटनीति' का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ओमान के लिहाह के पास भारतीय झंडे वाले जहाज 'डैट अल जुसुफीश से बचाए गए 13 भारतीयों को जल्द ही वापस भारत लाया जाएगा। मारे गए नाविक की पहचान गुजरात के गंधार नाहिम अजीज के रूप में हुई है। घटना के बाद ओमान के अधिकारियों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई के लिए उनका आभार जताते हुए, जायसवाल ने तनाव को तुरंत कम करने और पश्चिम एशिया में कूटनीतिक समाधान के लिए चल रही बातचीत को पूरा करने की अपील की। छप्तहोंने कहा कि उस जहाज पर 14 भारतीय क्रू सदस्य थे। दुख की बात है कि उनमें से एक की मौत हो गई है।



हम अब यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया में हैं कि वहां मौजूद 13 भारतीय नागरिकों को वापस भारत लाया जाए। हम मृतक भारतीय नागरिक के पार्थिव शरीर को भी भारत वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। मैं ओमान के अधिकारियों को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए धन्यवाद देता हूं।उन्होंने आगे कहा कि हम एक बार फिर सभी पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाएं, ताकि इस क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति बहाल हो सके। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र और जलमार्गों में आवाजाही की स्वतंत्रता को बहाल किया जाना चाहिए और इसकी गारंटी भी दी जानी चाहिए। इससे पहले दिन में, विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। दूतावास ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

गाजे–बाजे के साथ निकली सरदार पटेल संदेश यात्रा, उमड़े लोग, दिया एकजुटता का संदेश





–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को लौह पुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती के उपलक्ष्य में उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और समाज में एकजुटता का संदेश देने के उद्देश्य से सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल के नेतृत्व में सरदार पटेल संदेश यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ जीआईसी ग्राउंड से हुआ, जहां महादेवा विधायक दूधराम, मनोज चौधरी ने हरी झण्डी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

संदेश यात्रा गांधीनगर होते हुए कम्पनी बाग पहुंची। इसके बाद सुभाष चन्द्र बोस चौक और न्याय मार्ग से होते हुए सरदार पटेल स्मारक स्थल अमहट घाट पहुंची। यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही उनके विचारों और

–एकजुटता का संदेश देती है संदेश यात्रा– दूधराम

आदर्शों को साझा करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। यात्रा में ढोल–नगाड़े, घोड़े और रथ सहित विभिन्न आकर्षक प्रस्तुतियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर विधायक दूधराम, रुधौली विधानसभा के समाजसेवी मनोज चौधरी और आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल संदेश यात्रा एकजुटता का संदेश देती है। जिस तरह सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का काम किया था, उसी तरह हम सभी को आपसी भाईचारे और एकता के साथ उनके विचारों को आगे बढ़ाना चाहिए। एकजुट रहकर ही समाज और देश का विकास संभव है।

यात्रा के नेतृत्वकर्ता सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने कहा कि पिछले कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी सरदार पटेल संदेश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सर्व समाज के लोगों की भागीदारी ने यात्रा को भव्य और सफल बनाया। उन्होंने कहा कि हमें सरदार पटेल के विचारों से प्रेरणा लेते हुए एकजुटता के साथ समाज के विकास के लिए कार्य करना चाहिए।

सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, संदीप निषाद, अजफरूल हक उर्फ प्रिंस, प्रदीप यादव, चंद्रगुप्त मौर्य और दिनेश गौतम ने कहा कि भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों को जन–जन तक पहुंचाना और समाज के लोगों को एकजुट करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

इस दौरान विनय चौधरी, डा. राजेश पटेल, शैलेंद्र राना, आकाश पटेल, राजेश मिश्र, नवीन सिंह, अभिषेक चौधरी भुवर, अनिरुद्ध चौधरी, सर्वेश चौधरी, अमन राजभर, जुगल किशोर चौधरी, सुरेंद्र चौधरी राजा भैया, मुनव्वर राणा, चंद्रगुप्त मौर्य, दिनेश गौतम, रविंद्र चौधरी, अनिल चौधरी, सोहन गौतम, राजविन्द कुमार गौतम, राजा भैया, दूधनाथ पटेल, शमशेर, प्रशांत चौधरी, संदीप निषाद, अभिषेक चौधरी, शिवा गिरी, प्रदीप पटेल राना, पुष्कर चौधरी, डीके चौधरी, संजय चौधरी, इरशाद, अनुज, अनिल, सुधाकर, उमेश चौधरी, रामजीत पटेल, इरफान, विकास चौधरी, मनोज चौधरी, पिंटू चौधरी, लवकुश, सुधाकर पटेल, पवन सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे अखिलेश

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 में खुद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। सपा अध्यक्ष ने काशी की किसी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल के जवाब में कहा कि विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। सीधे मुख्यमंत्री की शपथ लूंगा। उन्होंने कहा कि यही हमारे लिए शुभ है, इसलिए वहीं काम करेंगे जो शुभ होगा।



राजनीतिक हलको में इसे लेकर तरह–तरह से कयास लगाये जा रहे हैं। ज्ञात रहे कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दिया था।

दूसरी ओर यूपी में प्रशासनिक अधिकारियों में फेरबदल का सिलसिला जारी है। शासन ने इसी कड़ी में दो आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। कानपुर और गौतमबुद्धनगर के संयुक्त पुलिस आयुक्त बदले गए हैं।

निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद का फूल मालाओं के साथ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को निषाद पार्टी द्वारा धर्मराज निषाद को जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जिलाध्यक्ष बनने के बाद जिले के विभिन्न स्थानों पर उनका फूल–मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन करते हुए नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद का कुड़ी चौराहा, रघुनाथपुर, बस्तिरा मोड़, रुधौली बाजार, मानिकचंद, बड़े बन, पानी टंकी चौराहा और शास्त्री चौक सहित विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद जिला पंचायत सभागार में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल–मालाओं से लादकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे निषाद पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष दिवाकर निषाद ने कहा कि धर्मराज निषाद को जिलाध्यक्ष की जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ इसका निर्वहन करेंगे। उनके नेतृत्व में जिले में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी और पार्टी का जनाधार बढ़ेगा। कहा कि हम एक बार फिर सभी पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाएं, ताकि इस क्षेत्र में जल्द से जल्द शांति बहाल हो सके। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र और जलमार्गों में आवाजाही की स्वतंत्रता को बहाल किया जाना चाहिए और इसकी गारंटी भी दी जानी चाहिए। इससे पहले दिन में, विदेश मंत्रालय ने बताया कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। दूतावास ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।



कि जनहित के मुद्दे को प्राथमिकता देने के साथ ही समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति तक उपलब्धियां पहुंचे इसके लिये जमीनी धरातल पर प्रयास तेज करना होगा।

जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताकर जिम्मेदारी सौंपी है, उसका निर्वहन वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। उनका लक्ष्य जिले में पार्टी संगठन को मजबूत करना और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी बेहतर प्रदर्शन करे, इसके लिए व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर नए लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

स्वागत समारोह में प्रदेश सचिव अशोक निषाद, दीपू निषाद, ज्ञान प्रकाश निषाद, रामू निषाद, अजय निषाद, शिव शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रमोद भारती, हरिप्रसाद साहनी, यमुना निषाद, अखिलेश यादव, रामपाल निषाद, आकाश चौधरी, धनपत निषाद, राम अचल निषाद, सुनील चौधरी, राजकुमार सोनी, ह्रदय राम यादव, रमेश निषाद, बृजमोहन निषाद, निरंजन निषाद, अनिल, दीपक, संदीप, मनीषा निषाद, मोनू निषाद, रजनीश चौधरी, अशोक चौधरी, विवेक चौधरी, सोहनलाल, दीपचंद निषाद, राम अजोर निषाद, प्रदीप निषाद, विनोद निषाद, राम मूर्ति निषाद, अर्जुन निषाद, राम अवतार निषाद, अखिलेश निषाद, रामानुज निषाद, शुभम जायसवाल, प्रदीप कुमार, अवध राम, रमेश, राम फेर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक शामिल रहे।

–व्यापक स्तर पर चलाया जायेगा सदस्यता अभियान– धर्मराज निषाद

वर्षों की उपेक्षा के बाद लालगंज–बिरितिया मार्ग को मिली विकास की सौगात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज–बिरितिया मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए शासन से स्वीकृति मिलने के बाद महादेवा विधानसभा क्षेत्र में आगमन पर विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश का क्षेत्रवासियों द्वारा जगह–जगह भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, ग्राम प्रधानों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत करते हुए सहत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान कोपचौराहे पर ग्राम प्रधान अरुण चौधरी, हरिओम यादव, रामरक्षा यादव एवं साहिल कुमार ने स्वागत किया। लालगंज चौराहे पर ग्राम प्रधान वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने उनका अभिनंदन किया। वहीं ढोकवा में रमेश चौधरी एवं प्रदीप चौधरी तथा कचनी चौराहे पर राज बहादुर चौधरी एवं अजय यादव द्वारा स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पमालाओं एवं उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया।

लालगंज–बिरितिया मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 11 किलोमीटर लंबाई की सड़क हेतु 34 करोड़ 60 लाख 61 हजार रुपये (3460.61 लाख रुपये) की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लंबे समय से जर्जर एवं उपेक्षित इस मार्ग के विकास की मांग क्षेत्रवासी लगातार कर रहे थे। मार्ग के निर्माण से हजारों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक एवं व्यापारिक विकास को भी गति मिलेगी।

इस अवसर पर सुभाष यदुवंश ने भावुक होते हुए कहा कि लालगंज–बिरितिया मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि उनके बचपन की स्मृतियों से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं इसी क्षेत्र की मिट्टी में पला–बढ़ा हूं। बचपन में इसी सड़क पर खेलते हुए बड़ा हुआ हूं। इस मार्ग की बदहाली और वर्षों से इसकी उपेक्षा को मैंने करीब से देखा है। मन में हमेशा यह पीड़ा रही कि जिस रास्ते से मेरी बचपन की यादें जुड़ी हैं, उसका विकास क्यों नहीं हो पा रहा है। आज इस मार्ग की स्वीकृति मिलना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से भी भावुक और संतोष का विषय है।'

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की इस पुरानी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष आग्रह एवं प्रस्ताव रखा गया था। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और प्रदेश सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप इस महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण को स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुभाष यदुवंश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का संकल्प है कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी विकसित होने से रोजगार, व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होती है।

उन्होंने क्षेत्रवासियों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

इस दौरान क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने कहा कि यह केवल एक सड़क की स्वीकृति नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही जनभावनाओं और मांगों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्षेत्रवासियों ने इस विकास कार्य के लिए एमएलसी सुभाष यदुवंश का धन्यवाद ज्ञापित किया।



–एमएलसी सुभाष यदुवंश का महादेवा विधानसभा में नागरिकों ने किया स्वागत –लालगंज–बिरितिया मार्ग से जुड़ी हैं बचपन की यादें–सुभाष यदुवंश

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 नवम्बर 2026 बुधवार

सम्पादकीय

यूपी चुनाव और भाजपा की रणनीति

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की आहट जैसे–जैसे करीब आ रही है, वैसे–वैसे देश के सबसे बड़े सूबे की राजनीतिक हलचल और तेज होती जा रही है। लखनऊ के सियासी गलियारों से लेकर दिल्ली के सत्ता केंद्रों तक, उत्तर प्रदेश को लेकर नई रणनीतियों का ताना–बाना बुना जाने लगा है। इस पूरी कवायद में सबसे प्रमुख और केंद्रीय चेहरा बनकर उभरे हैं देश के गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह। उत्तर प्रदेश में अमित शाह की लगातार बढ़ती मौजूदगी और उनके ताबड़तोड़ दौरे इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि भाजपा इस बार किसी भी स्तर पर कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। वह केवल मंचों से चुनावी भाषण नहीं दे रहे हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर जाकर पार्टी के भीतर उस माइक्रो मैनेजमेंट को अंजाम दे रहे हैं, जिसके लिए उन्हें भारतीय राजनीति का चाणक्य माना जाता है। हालांकि, इस बार शाह के सामने चुनौतियां अतीत की तुलना में कहीं अधिक जटिल और आंतरिक रूप से गहरी हैं।

अमित शाह के इस बार के उत्तर प्रदेश अभियान के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती विपक्षी दलों की घेराबंदी नहीं, बल्कि खुद उनकी अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का गिरा हुआ मनोबल है। बीते कुछ समय में पार्टी के भीतर एक अजीब–सी खामोशी और दूरी देखी गई है। कई कर्मठ, पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं ने यह महसूस किया है कि सरकार और संगठन के शीर्ष स्तर पर उनकी लगातार अनदेखी की जा रही है। सत्ता के केंद्रीयकरण और नौकरशाही के कथित बढ़ते प्रभाव के चलते जमीन पर पसीना बहाने वाले कार्यकर्ता खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे थे। इसी उपेक्षा के परिणामस्वरूप, पार्टी के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों, रैलियों और स्थानीय स्तर की बैठकों से इन जमीनी कार्यकर्ताओं ने एक सोची–समझी दूरी बना ली थी। भाजपा जैसी कैडर–आधारित पार्टी के लिए, जिसके चुनाव जीतने का पूरा दारोमदार उसके पन्ना प्रमुखों और बूथ कार्यकर्ताओं पर होता है, यह आंतरिक उदासीनता किसी बड़े खतरे की घंटी से कम नहीं थी।

कार्यकर्ताओं की इसी नाराजगी और बिखराव को भांपते हुए अमित शाह ने हाल ही में लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में सीधे कमान संभाली। हाल ही में दो दिवसीय दौरे के दौरान जब वह कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने मंच पर आए, तो उनके तेवर और शब्दों में एक अलग तरह की संवेदनशीलता और रणनीतिक दबाव साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कार्यकर्ताओं के भीतर सुलग रहे असंतोष को शांत करने के लिए एक बेहद भावुक और सीधा संवाद स्थापित किया। शाह ने मंच से कहा कि कार्यकर्ता अपनी आपसी नाराजगी, मतभेदों और शिकायतों को लखनऊ की गोमती नदी में बहा दें और एक बार फिर एकजुट होकर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने के संकल्प में जुट जाएं। शाह का यह बयान राजनीतिक पंडितों के बीच गहरी चर्चा का विषय बन गया, क्योंकि यह सीधे तौर पर स्वीकारोक्ति थी कि संगठन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और कार्यकर्ताओं को मनाने की सख्त जरूरत है।

यह बयान अमित शाह के ही उस पुराने और चिरपरिचित राजसी दावे से बिल्कुल उलट नजर आता है, जिसमें उन्होंने बेहद आत्मविश्वास के साथ कहा था कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार अंगद के पांव की तरह अडिग है, जिसे कोई भी विरोधी ताकत हिला नहीं सकती। एक तरफ सरकार को अंगद के पांव की तरह अजेय बताना और दूसरी तरफ कार्यकर्ताओं से अपनी नाराजगी गोमती में बहाने की भावुक अपील करना, शाह के दो अलग–अलग राजनीतिक संकटों और समय के बदलाव को दर्शाता है। अंगद के पांव वाला बयान जहां विपक्ष को मनोवैज्ञानिक रूप से पछाड़ने और मतदाताओं में पार्टी की मजबूती का अहसास कराने के लिए था, वहीं गोमती में नाराजगी बहाने का आह्वान आत्ममंथन और संगठन को बिखरने से बचाने की एक व्यावहारिक कोशिश है। यह विरोधाभास दिखाता है कि जब चुनावी जमीन खिसकने का डर हो या आंतरिक मोर्चे पर दरारें दिखने लगें, तो बड़े से बड़े रणनीतिकार को भी अपनी भाषा और तेवर बदलने पड़ते हैं।

कार्यकर्ताओं को साधने के इस प्रयास के साथ ही भाजपा की आगे की चुनावी रणनीति का खाका भी पूरी तरह तैयार कर लिया गया है। अमित शाह के इस दौरे से जो सबसे बड़ा संदेश निकला है, वह यह है कि पार्टी अब पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है और उसकी रणनीति बहुआयामी होने वाली है। भाजपा की आगे की चुनावी रणनीति का पहला और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक सक्रियता है। शाह ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी चुनाव केवल सरकार के कामकाज या बड़े नेताओं के चेहरे के भरोसे नहीं जीते जा सकते, इसके लिए हर एक बूथ को सबसे मजबूत किला बनाना होगा। इसके तहत जहां कम, वहां हम की नीति अपनाई जा रही है, जिसका मतलब है कि जिन क्षेत्रों या बूथों पर पार्टी पिछले चुनावों में कमजोर रही थी, वहां विशेष ध्यान दिया जाएगा और नए मतदाताओं, विशेषकर युवाओं और महिलाओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, भाजपा ने अपने पारंपरिक और सबसे मजबूत हथियार वैचारिक ध्रुवीकरण और हिंदुत्व को धार देना शुरू कर दिया है। इस चुनावी समर में भाजपा का सबसे बड़ा और मास्टरस्ट्रोक दांव है। इस चुनावी संहिता यानी यूसीसी बनने जा रहा है। अमित शाह ने सार्वजनिक रूप से यह घोषणा कर दी है कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनते ही राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू कर दिया जाएगा। यह घोषणा सीधे तौर पर विपक्ष के जातिगत गोलबंदी के फॉर्मूले को काटने के लिए की गई है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और जातिगत जनगणना के दांव के मुकाबले भाजपा यूसीसी और राष्ट्रवाद का एक ऐसा नैरेटिव खड़ा करना चाहती है, जो हिंदू मतों को जातियों में बंटने से रोक सके और उन्हें एक बड़े वैचारिक मंच पर एकजुट कर सके। इसके साथ ही, रणनीति के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के विकास कार्यों और कानून–व्यवस्था के रिकॉर्ड को जनता के सामने प्रमुखता से रखा जाएगा। योगी आदित्यनाथ सरकार की सख्त प्रशासक वाली छवि और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को चुनाव प्रचार के केंद्र में रखा जाएगा। अमित शाह का मानना है कि विकास और बेहतर कानून–व्यवस्था के साथ जब संगठन की जमीनी ताकत और हिंदुत्व का वैचारिक पुट मिलेगा, तो विपक्ष के लिए भाजपा के इस चक्रव्यूह को भेदना लगभग असंभव हो जाएगा। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 313 से अधिक सीटों का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किया है, जो संगठन के भीतर एक नया जोश भरने की कोशिश है, तो कार्यकर्ताओं की नाराजगी से बीजेपी आलाकमान बुरी तरह से हिला हुआ है, इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

कैसे हो युवाओं के आक्रोश का समाधान



अविजित पाठक



असमानता, जलवायु संकट व अलोकतांत्रिक प्रवृत्तियां बढ़ने के चलते नयी पीढ़ी में द्वंद्व व भविष्य को लेकर बेचैनी है। पर युवाओं के विरोध में केवल सहज प्रतिक्रिया नजर आती है जबकि जरूरत स्पष्ट विश्व–दृष्टिकोण की है। दरअसल समस्याओं के समाधान के लिए एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जिसमें विज्ञान, मानविकी और नैतिक संवेदनाओं का समावेश हो।

फ्रांस से लेकर भारत तककृमैं युवा छात्रों की बेचैनी देख रहा हूं। मैं उनके असंतोष की धड़कनों को महसूस कर सकता हूं। मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि वे उस 'व्यवस्था' से इतने नाराज क्यों हैं, जिसे लेकर उन्हें अंदरूनी आशंका है कि उसने अच्छी शिक्षा पाने और जीवन की आकांक्षाएं पूरी करने के उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है। एक तरह से, वे खुद को विरोधाभासों से भरी दुनिया में पाते हैंरु जहां कुछ चुनिंदा तकनीकी–कॉर्पोरेट अरबपतियों की शानदार जीवनशैली है, वहीं दूसरी ओर भयावह आर्थिक असमानता का दर्द भी हैय जहां एक तरफ लोकतंत्र का केवल दिखावटी अनुष्ठान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में तानाशाही प्रवृत्तियों वाले शासकों का उदय हो रहा हैय और सबसे बड़ी बात, तकनीक–विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का जो विस्तार हो रहा है, वह अधिकांशतः जीवन पर खतरा बनने वाले जलवायु संकट को और गहरा रहा है, और साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश करने वाली तकनीकों को जोर–शोर से उपलब्धि बताया जा रहा है।

एक शिक्षक के रूप में यह लेखक इन विरोधाभासों पर विचार करता है और खुद से सवाल करता है कि क्या एक बेहतर समाज की नींव रखने के लिए हमें इन छात्रों के साथ चलकर यह पड़ताल नहीं करनी चाहिए कि क्या ज्ञान की मौजूदा राजनीति ने विज्ञान और मानविकी, तकनीक और नैतिकता, तथा आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के बीच एक सख्त दीवार खड़ी कर दी है, और इस किस्म के संकट को और बढ़ा दिया है? हमारे छात्र नाराज हैं। लेकिन उनके विरोध की वजह केवल सहज प्रतिक्रिया या आवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसके पीछे एक स्पष्ट विश्व–दृष्टिकोण होना चाहिएय और उनकी राजनीति शिक्षापरक होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अपनी सामूहिक मुक्ति के लिए उन्हें एक नई किस्म की शिक्षा की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, हमारी शिक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि भारतीय छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए, विज्ञान का महत्व मुख्य रूप से तकनीक एवं उपकरणों और उनके उपयोगी कार्यों संबंधी शिक्षा पाने तक है। आम धारणा यह है कि अगर आप विज्ञान स्ट्रीम चुनते हैं, तो आप इंजीनियर या डॉक्टर बन सकते हैं। या फिर, यह माना जाता है कि हर नया आविष्कार विज्ञान की महिमा को दर्शाता है। हालांकि, विज्ञान के प्रति पूरी तरह से ऐसे तकनीक एवं उपकरण आधारित दृष्टिकोण के कारण, हमकृ शिक्षक, अभिभावक और छात्रकृअक्सर यह मूल जाते हैं कि विज्ञान सोचने, कार्य करने और जीने का एक तरीका भी है। दूसरे शब्दों में, 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण' जैसी एक चीज होती है, जो हमें इतनी बौद्धिक स्पष्टता और नैतिक साहस देती है कि हम रूढ़िवादी मान्यताओं, सदियों पुराने अंधविश्वासों और पूर्वाग्रहों पर सवाल उठा सकें। यह एक ऐसी खुली सोच विकसित करती है, जिससे हम हर धारणा को ठोस सबूतों के साथ परख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर पुरानी धारणाओं की जगह नई ध्रुवीकरण को बढ़ावा देता है। इसलिए, ऐसा वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने वाला व्यक्ति यह कहने में बिल्कुल नहीं हिचकिचाएगा कि एक स्वस्थ समाज के विकास के लिए यह बुरा है, मसलन, नव–उदारवाद का बेतहाशा लालच आर्थिक असमानता का एक चरम रूप पैदा कर देता है। या फिर, यह कह सके कि ऐसी सामाजिक व्यवस्था को सही ठहराने का कोई आधार नहीं है, जो जाति–पदानुक्रम और जन्म–आधारित पहचानों पर टिकी हो। इसी तरह कि किसी इंसान के मूल स्वरूप को केवल उसकी धार्मिक पहचान के आधार पर परिभाषित करना भी गलत है।

विडंबना है कि हम अक्सर वैज्ञानिक दृष्टिकोण की इस स्वतंत्रता–प्रेमी भावना को नजरअंदाज कर देते हैं, और इसकी बजाय केवल उन तकनीकी उत्पादों को अहमियत देते हैं जो भौतिक रूप में दिखाई देते हैंकृजैसे कि कंप्यूटर, परमाणु बम, या कोई अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक। यानी, एक तकनीक विशेषज्ञ एक नए जादूगर की तरह बन जाता है। इस प्रक्रिया में हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि अगर विज्ञान से उसकी 'स्वतंत्रता–प्रेमी' और 'आलोचनात्मक' भावना को निकाल दिया जाए, तो तकनीक–पूंजीपति और अति–राष्ट्रवादी लोग अपने लालच और राजनीति को साधने के लिए आसानी से विज्ञान का दुरुपयोग कर सकते हैं। नतीजा यह होता है कि हम अपनी 'आलोचनात्मक सोच' खो देते हैं और एकतरफा, नैतिक रूप से कंगाल तथा राजनीतिक रूप से रूढ़िवादी उपभोक्ता बन जाते हैंकृजो नव–उदारवाद और सैन्यवादी राष्ट्रवाद के गढ़े हुए मिथकों को ही सच मान बैठते हैं।

एक शिक्षक के तौर पर, लेखक को लगता है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण की मुक्ति–मूलक क्षमता को तब और बढ़ाया जा सकता है, जब इसे मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ा जाए। ये संवेदनाएं हमें सार्थक साहित्य, कविता, ललित कलाओं, दर्शन, आध्यात्मिकता, समाजशास्त्र और राजनीतिक दर्शन से मिलती हैं। उदाहरण के लिए, विज्ञान पर तकनीक–पूंजीवादी कब्जे ने दुनिया के प्रति हमारे मोहभंग को कैसे बढ़ाया है, इस पर विचार करें। नदी, पेड़, जंगल या पहाड़ इनमें कुछ अपना आश्चर्य और रहस्यमयी आकर्षण खो चुके हैं। वे बस हमारे उस बेतहाशा लालच को पूरा करने के 'संसाधन' बनकर रह जाते हैं, जिसमें हमें और अधिक बिजली, कारें, लकड़ी, एक्सप्रेस–वे, गगनचुंबी इमारतें और उपभोक्ता वस्तुएं चाहिए। कोई हैरानी की बात नहीं कि आज हम जीवन के अस्तित्व के लिए खतरनाक बन गए जलवायु संकट के बीच खड़े हैं।

शायद हम रवींद्रनाथ टैगोर और वॉल्ट व्हिटमैन जैसे महान कवियों, या जॉन रस्किन, हेनरी डेविड थोरो और महात्मा गांधी जैसे आध्यात्मिक विचारकों से एक नई पारिस्थितिकीय एवं मानवीय संवेदना सीख सकते हैं। ये विचार हमें विज्ञान और इंजीनियरिंग को बिल्कुल अलग तरीके से मानने में मदद कर सकते हैं। यह पर्यावरण विज्ञान और मानवीयध नैतिक संवेदनाओं के मिलन जैसा है। असल में, वैज्ञानिक दृष्टिकोण की मुक्ति–मूलक क्षमता को तब और निखारा जा सकता है, जब इसे सामाजिक विज्ञान और मानविकी (ह्यूमैनिटीज) में दिखने वाली आलोचनात्मक सोच के साथ जोड़ा जाए।

दुखद है कि हमारी मौजूदा शिक्षा प्रणाली विज्ञान और मानविकी के बीच एक गहरी दीवार खड़ी कर देती है, यह विखंडित मानसिकता और बिखरे हुए स्वः का निर्माण कर देती है। मौजूदा समय में, जब दुनिया भर में सत्तावादी राजनीतिक व्यवस्थाएं 'टेक्नो–साइंस' का इस्तेमाल निगरानी की जटिल तकनीकें बनाने के लिए कर रही हैंकृताकि किसी भी विद्रोही या असहमति रखने वाले व्यक्ति की हर हरकत पर नजर रखी जा सकेकृ या फिर कथित 'राष्ट्रवादी' गर्व की भावना भड़काने के लिए बड़े पैमाने पर तबाही मचाने वाली अत्याधुनिक तकनीकें बनाने की उपलब्धि पर खुशी मनाई जाती है, ऐसे में, हमें एक बिल्कुल अलग तरह की शिक्षा की जरूरत है।

विज्ञान बनाम मानविकी के इस द्वंद्व से आगे बढ़कर, आज सड़कों पर दिखने वाले युवा समग्र शिक्षा और मुक्ति का मार्ग अपनाएं, जो उन्हें नव–उदारवादी फासीवादियों के अत्याचार का विरोध करने और बौद्धिक रूप से जागरूक तथा आध्यात्मिक रूप से समृद्ध लोकतांत्रिक नागरिक के तौर पर फलने–फूलने में मददगार हो।

–लेखक समाजशास्त्री हैं।

वोट चोरी' बनाम 'अराजकता' की सियासत

–राज कुमार सिंह–



देश में राजनीतिक लड़ाई 'वोट चोरी बनाम अराजकता' के नैरेटिव तक सिमटती दिख रही है। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों ही रविवार को सड़कों पर नजर आए। वोट चोरी के मुद्दे पर विपक्ष ने मार्च निकालते हुए दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली की तो भाजपा ने उसे 1984 के सिख दंगों से जोड़ते हुए देश भर में कांग्रेस के विरुद्ध मार्च निकाला। वोट चोरी बनाम अराजकता के नैरेटिव की राजनीति कम–से–कम अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों तक तो चलेगी। अगर विधानसभा चुनावों में इसका असर दिखा तो 2029 के लोकसभा चुनावों तक भी यह राजनीति खिंच सकती है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' द्वारा 31 अक्तूबर को मॉक पार्लियामैंट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध महाभियोग पारित करने के अगले ही दिन रामलीला मैदान में रैली में तेवरों से साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे को हाथ से नहीं जाने देगा और सड़क पर भी लड़ाई जारी रखेगा। जवाब में भाजपा बेहद आक्रामक नजर आ रही है लेकिन उसकी प्रतिक्रियाओं को इस मुद्दे पर उसके दबाव में होने के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। मॉक पार्ल्यामैंट का माखौल उड़ाने वाली भाजपा ने एक नवम्बर को 'इंडिया' गठबंधन की रैली को सिख दंगा पीड़ितों के जख्मों पर नमक बताते हुए कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करने के लिए देश भर में मार्च निकाले। दिल्ली के सिख बहुल इलाकों में इस मार्च का नेतृत्व सिख समुदाय से आने वाले इकलौते केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने किया तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मार्च के लिए हरियाणा के रोहतक को चुना।

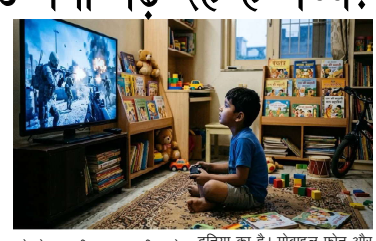
ध्यान रहे कि 31 अक्तूबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उन्हीं के सिख सुरक्षाकर्मियों द्वारा हत्या कर दिए जाने के बाद मुख्य रूप से एक नवंबर से भड़के सिख विरोधी दंगों में इस मार्च का नेतृत्व करने वाले हरदीप सिंह पुरी के पिता जी सहित हजारों सिखों की हत्या कर दी गई थी। राजधानी दिल्ली में ही हजार से ज्यादा सिख मारे गए थे। दिल्ली के कई बड़े कांग्रेसी नेताओं पर सिख विरोधी दंगों में संलिप्तता के आरोप लगे। सज्जन कुमार को तो सजा भी हुई, जिनकी पिछले दिनों ही जेल में मृत्यु हो गई। इसमें दो राय नहीं कि सिख दंगे एक दुखद और शर्मनाक घटनाक्रम रहा, पर क्या 1984 के बाद पंजाब में कई बार कांग्रेस सरकार बनना नहीं बताता कि सिख समुदाय कांग्रेस को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखता। दिल्ली में भी लगातार 3 बार कांग्रेस सरकार बिना सिख समुदाय के समर्थन के नहीं बन सकती थी। सिख दंगों के लिए मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए माफी मांगी थी तो खुद राहुल गांधी भी माफी मांग चुके हैं।

भाजपा ने कांग्रेस को धनतेरस और दीपावली जैसे त्यौहारों के मद्देनजर भी कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की कि इससे खासकर रामलीला मैदान के नजदीकी चांदनी चौक और सदर बाजार जैसे बड़े बाजारों के दुकानदारों को हजारों करोड़ का नुकसान होगा। बेशक व्यापारियों के संगठन सी.आई.टी. ने भी कांग्रेस को 4–4 पत्र लिखे कि रैली स्थगित कर दी जाए। कांग्रेस से हर्जाना मांगने की धमकी भी दी गई लेकिन राहुल गांधी ने जवाब दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा दिलवा दें, 30 सैकेंड में रैली रद्द कर दी जाएगी। रैली वाले दिन राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर रैली में भाग लेने आए लोगों से अपील की कि वे वापसी में दिल्ली के व्यापारियों से खरीदारी करें लेकिन बाद में दूसरा वीडियो जारी कर दिल्ली पुलिस पर जबरदस्ती दुकानें बंद करवाने का आरोप भी लगाया, यानी नैरेटिव बनाने की कवायद में कोई किसी से पीछे नहीं रहना चाह रहा।

वोट चोरी के मुद्दे पर पूरा विपक्षी गठबंधन न सिर्फ एकजुट, बल्कि बेहद आक्रामक भी नजर आ रहा है। जंतर–मंतर पर प्रदर्शन और परिणामस्वरूप शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी (सी.जे.पी.) को तो इस बार दिल्ली पुलिस ने आंदोलन नहीं करने दिया लेकिन विपक्ष को रोकने में उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली। चुनाव आयोग तक मार्च और फिर जंतर–मंतर पर धरना पुलिस द्वारा विफल कर दिए जाने के बाद 'इंडिया' गठबंधन सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने में सफल रहा। भाजपा ने उसे न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश बताते हुए कड़ी आलोचना की लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसे उस नजर से नहीं देखा। जैसा कि अक्सर होता है, रामलीला मैदान की रैली में जुटी भीड़ को ले कर अपने–अपने दावे हैं। कांग्रेस के 10 लाख लोग जुटाने के दावे की याद दिलाते हुए भाजपा रैली को फ्लॉप बता रही है, तो 'इंडिया' गठबंधन रैली को ऐतिहासिक बता रहा है। सच इन दोनों के बीच कहीं है। 10 लाख की भीड़ दिल्ली में आज तक किसी रैली में नहीं जुटी लेकिन 12 साल से चुनावी हार से बेजार विपक्ष, तमाम सरकारी बंदिशों के बावजूद, प्रभावशाली भीड़ जुटाने में सफल रहा। राजनीतिक रैलियों में भीड़ का अपना महत्व है लेकिन ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि वोट चोरी के मुद्दे पर आंदोलन ने विपक्ष को एकजुट कर दिया है, तो राहुल गांधी को उसके निष्प्रवाद नेता के रूप में स्थापित। 19 सदस्यीय 'इंडिया' गठबंधन के विस्तार की उम्मीदें भी जगी हैं। गठबंधन का हिस्सा न होने के बावजूद ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल ने चुनाव आयोग तक मार्च में भाग लिया तो आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रैड्डी की वाई.एस.आर. कांग्रेस अतीत में मोदी सरकार का समर्थन करने पर अफसोस जताते हुए अब विपक्षी गठबंधन में शामिल होना चाहती है।

हिंसा का पाठ क्यों पढ़ रहे हैं बच्चे?

– योगेश कुमार गोयल–



बचपन को मासूमियत, निश्छलता, संवेदनशीलता और खिलखिलाती मुस्कान का पर्याय माना जाता है। बच्चों के हाथों में खिलौने अच्छे लगते हैं, पत्थर और ईंटें नहीं, उनकी आंखों में सपने अच्छे लगते हैं, किसी के प्रति नफरत और हिंसा नहीं। लेकिन जब 8–10 वर्ष की उम्र के बच्चे भी किसी दूसरे मासूम की जान लेने पर उतारू हो जाएं, तब सवाल केवल एक बच्चे के असामान्य व्यवहार का नहीं रह जाता बल्कि पूरे सामाजिक परिवेश, पारिवारिक संस्कारों, शिक्षा व्यवस्था और हमारी बदलती जीवनशैली का हो जाता है। हरियाणा के पंचकूला में छह साल की विशेष आवश्यकता वाली बच्ची पर तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र द्वारा किया गया बर्बर हमला इसी भयावह वास्तविकता का आईना है। जब पंचकूला के सेक्टर–20 स्थित राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में हुई इस हृदयविदारक घटना का वीडियो देखा तो मन बेहद विचलित हो उठा। आरोपी छात्र बच्ची को एक खाली कक्षा में ले गया, वहां उसके बाल पकड़कर घसीटा, बेंच पर सिर पटका, लातें मारी तथा ईंट, पत्थर और गमले से उसके सिर तथा चेहरे पर बार–बार प्रहार किए। करीब 96 सैकेंड तक चली इस हिंसा का दृश्य कक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हुआ।

सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि हमला करने वाला कोई व्यस्क अपराधी नहीं बल्कि 8 वर्ष का बच्चा है। यह घटना जितनी पीड़ित बच्ची के लिए भयावह है, उतनी ही उस बच्चे के मानसिक और सामाजिक विकास को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। आखिर इतनी छोटी उम्र में किसी बच्चे के भीतर इतनी आक्रामकता कहां से आती है? क्या उसने हिंसा को सामान्य व्यवहार मान लिया है? क्या वह किसी के दर्द और असहायता को महसूस करने की क्षमता खो रहा है? और सबसे बड़ा सवाल यह कि हमारे घरों, स्कूलों और समाज में ऐसा क्या बदल रहा है कि बचपन की भाषा में प्रेम और संवेदना की जगह हिंसा प्रवेश करती जा रही है? उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज में जिस तरह बच्ची के असहाय हो जाने के बाद भी हमला जारी रहने की बात सामने आई है, वह सामान्य बाल–सुलभ झगड़े से कहीं अधिक गंभीर है।

इस घटना ने एक ऐसा प्रश्न हमारे सामने खड़ा किया है, जिससे मुंह मोड़ना अब संभव नहीं है कि आखिर बच्चों के मन में हिंसा के बीज कौन बो रहा है? बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार का कोई एक कारण नहीं होता। परिवार में हिंसा देखना, कठोर अथवा असंगत अनुशासन, भावनात्मक उपेक्षा, कमजोर अभिभावकीय निगरानी, साथियों का दबाव, सामाजिक अलगाव और व्यवहार पर नियंत्रण की कठिनाइयां इसके जोखिम को बढ़ा सकती हैं। सबसे पहले सवाल परिवारों से है। आज अनेक घरों में बच्चों को महंगे खिलौने, स्मार्टफोन, टैबलेट और मनोरंजन के तमाम साधन तो उपलब्ध करा दिए जाते हैं लेकिन उनके साथ बैठकर बातचीत करने, उनकी भावनाएं समझने और उनके व्यवहार को दिशा देने का समय लगातार कम होता जा रहा है। माता–पिता अपनी व्यस्तताओं में उलझे हैं और कई बार बच्चे अपनी भावनात्मक उलझनों के साथ अकेले रह जाते हैं। घर में माता–पिता के झगड़े, गाली–गलौज, मारपीट, अपमानजनक भाषा और छोटी–छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देखने वाले बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है। बच्चा वही सीखता है, जो अपने आसपास बार–बार देखता है। यदि घर में समस्या का समाधान संवाद से नहीं बल्कि चीखने, धमकाने और हाथ उठाने से होता है तो उसके लिए हिंसा धीरे–धीरे व्यवहार का स्वीकार्य तरीका बन सकती है।

दूसरा बड़ा सवाल डिजिटल दुनिया का है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने बच्चों के सामने ज्ञान और मनोरंजन के असंख्य अवसर खोले हैं लेकिन इसी दुनिया में हिंसक वीडियो, मारधाड़ वाले खेल, अपमानजनक सामग्री और आक्रामक व्यवहार को महिमामंडित करने वाले दृश्य भी मौजूद हैं। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब बच्चा बिना किसी निगरानी के घंटों ऐसी सामग्री देखता है और उसे यह समझाने वाला कोई नहीं होता कि पर्दे पर दिखाई जाने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में किसी के शरीर, मन और अस्तित्व को कितनी गहरी चोट पहुंचाती है। तीसरी चिंता बच्चों में संवेदनशीलता और सहानुभूति के विकास की है। आज हम बच्चों को प्रतियोगिता में आगे निकलना, जीतना और दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करना तो सिखा रहे हैं लेकिन हार स्वीकार करना, दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, कमजोर की मदद करना और क्रोध पर नियंत्रण रखना कितना सिखा रहे हैं? क्या स्कूलों में नैतिक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सिमट गई है? क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि किसी को चोट पहुंचाना बहादुरी नहीं, कमजोरी है? किसी दूसरे की पीड़ा देखकर मन में करुणा पैदा होना ही मानवीय संवेदना का आधार है। यदि यही संवेदना विकसित नहीं होगी तो शिक्षा की बड़ी–बड़ी डिग्रियां भी सभ्य समाज की गारंटी नहीं बन सकतीं।

यहां स्कूलों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। पंचकूला की घटना ने सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी और वास्तविक निगरानी के बीच के अंतर को उजागर किया है। कैमरे लगे होना सुरक्षा नहीं है, उनकी सतत निगरानी, समय पर हस्तक्षेप और जवाबदेही ही सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

मदरसे में पढ़ने निकले दो भाई 3 दिन से लापता



संवाददाता—श्रावस्ती। इकौना थाना क्षेत्र के सेमगढ़ा गांव से मदरसे पढ़ने निकले दो सगे भाई तीन दिन से लापता हैं। 13 वर्षीय अजमत अली और 10 वर्षीय अबू शाहिम शनिवार को घर से निकले थे, लेकिन न तो मदरसे पहुंचे और न ही घर लौटे। परिजनों के मुताबिक, दोनों बच्चे गांव से करीब 500 मीटर दूर बड़घरवा स्थित मदरसे में कलाम पाक पढ़ने जा रहे थे। जब वे मदरसे नहीं पहुंचे तो शिक्षक ने फोन कर उनके पिता को इसकी जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में बच्चों की तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। पिता जमशेद अली ने इकौना थाने में तहरीर देकर बच्चों की तलाशने की गुहार लगाई है। मां के मुताबिक, दोनों बच्चे कुर्ता—पायजामा पहने थे और सिर पर टोपी लगाए हुए थे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले भी दोनों घर से लापता हो गए थे, लेकिन तब गांव में खेलते हुए मिल गए थे। सीओ भरत पासवान ने मदरसे और घर पहुंचकर मामले की जांच की। उन्होंने परिजनों को बच्चों की तलाश का भरोसा दिया। प्रभारी निरीक्षक परमानंद तिवारी ने बताया कि बच्चों को खोजने के लिए पुलिस की तीन टीमें बनाई गई हैं। पुलिस आसपास के इलाकों में तलाश कर रही है।

दक्षिण भारत से दुर्लभ वनस्पतियां जुटाकर कॉलेज में की संरक्षित

संवाददाता—बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज के डैब वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के दौरान दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से दुर्लभ और महत्वपूर्ण वनस्पतियों के नमूने एकत्र किए। म 20 से 31 अक्टूबर तक चले शैक्षिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने मदुरै, रामेश्वरम, कन्याकुमारी, कोवलम और तिरुवनंतपुरम समेत कई स्थानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों, समुद्री तटों और अलग—अलग प्राकृतिक आवासों में मिलने वाली वनस्पतियों का अध्ययन किया और उनके नमूने एकत्र किए। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के सचिव संजीव कुमार वार्ष्णेय, प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन, डॉ. मोहम्मद अकमल और डॉ. वीर प्रताप सिंह ने एकत्रित वनस्पतियों का अवलोकन किया। उन्होंने इनके शैक्षणिक, व्यावहारिक और शोध संबंधी महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कई महत्वपूर्ण पादप प्रजातियों के नमूने जुटाए। इनमें लाइकोपोडियम, ग्लेइकेनिया, सेलाजिनेला के साथ सारगैसम, पैडिना, अल्वा, फ्यूकस और कॉडलोपा जैसे समुद्री शैवाल प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि ये नमूने टैब और डैब के विद्यार्थियों की प्रायोगिक और सैद्धांतिक पढ़ाई के लिए उपयोगी होंगे। इनके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न पादप समूहों की संरचना, वर्गीकरण, विविधता और प्राकृतिक आवासों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। भविष्य के शोध कार्यों में भी यह संग्रह मददगार साबित होगा। प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कक्षा में पढ़े गए विषयों को प्राकृतिक परिवेश में देखने और समझने से विद्यार्थियों का ज्ञान व्यापक और स्थायी होता है। ऐसे आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और अनुसंधान की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने विभाग को सफल आयोजन और दुर्लभ वनस्पतियों के संरक्षण के लिए बधाई दी। भ्रमण में शामिल छात्रा रिचा उपाध्याय ने बताया कि दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों में वनस्पतियों की विविधता को उनके प्राकृतिक आवास में देखना बेहद ज्ञानवर्धक रहा। विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन के नेतृत्व में दूसरी बार इस तरह के शैक्षिक भ्रमण में शामिल होकर दुर्लभ वनस्पतियों का संग्रह करना उनके लिए खास अनुभव रहा। छात्रा इफ्तिता ने समुद्री शैवालों और दुर्लभ पादप प्रजातियों को करीब से देखने और उनके नमूने जुटाने को रोमांचक अनुभव बताया। वहीं, छात्र मोहम्मद फैज ने कहा कि भ्रमण से पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर प्राकृतिक परिस्थितियों में वनस्पतियों को समझने का अवसर मिला। नमूनों की पहचान और उन्हें सुरक्षित रखने का व्यावहारिक अनुभव भविष्य में पढ़ाई और शोध के लिए मददगार होगा। भ्रमण में रिचा उपाध्याय, इफ्तिता, सौम्या सिंह, मोहम्मद फैज, सौम्य पांडेय, लक्ष्मी सोनी और शशि चौधरी समेत अन्य छात्र—छात्राएं शामिल रहे। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक डॉ. शिव महेंद्र सिंह, डॉ. श्रवण कुमार, राहुल कुमार और अर्शिया खातून मौजूद रहीं।

नेटवर्किंग कंपनी में ठगी की शिकार महिलाओं से मारपीट का प्रयास

संवाददाता—महराजगंज। नेटवर्किंग कंपनी में रुपये जमा करने के बाद मूलधन और कमीशन नहीं मिलने से परेशान चार महिलाएं मंगलवार को एजेंट के घर पहुंचीं। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर एजेंट ने अपने सहयोगियों को बुला लिया और महिलाओं के साथ गाली—गलौज करते हुए मारपीट का प्रयास किया। पीड़ित महिलाओं ने श्यामदेउरवां थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। गोरखपुर जिले के पिपराइच थाना क्षेत्र के लुहसी गांव निवासिनी रासमुखी, आशा देवी, खुशबू और यशोदा ने बताया कि करीब तीन साल पहले उन्होंने श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के बैजौली गांव निवासी एक महिला के माध्यम से एक नेटवर्किंग कंपनी में 14—14 हजार रुपये जमा किए थे। आरोप है कि रुपये जमा कराने के दौरान एक महिला और उसके साथियों ने हर महीने दो से तीन हजार रुपये कमीशन मिलने का भरोसा दिया था। लेकिन रुपये जमा करने के बाद उन्हें न तो कमीशन मिला और न ही मूलधन वापस किया गया। महिलाओं का आरोप है कि पिछले दो साल से रुपये वापस मांगने पर कंपनी के कर्मचारी टालमटोल कर रहे थे। मंगलवार को वे अपना मूलधन मांगने महिला एजेंट के घर पहुंचीं। आरोप है कि रुपये वापस मांगते ही महिला नाराज हो गई और अपने सहयोगियों को बुला लिया। इसके बाद सभी ने महिलाओं के साथ गाली—गलौज की और मारने के लिए दौड़ा लिया। महिलाओं ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

जलपरी शो के दौरान एक्वेरियम का शीशा टूटा, 10 बच्चे घायल, दो की हालत गंभीर



संवाददाता—बहराइच। कस्बे में चल रहे तीन दिवसीय दादा मियां मेला में सोमवार देर रात बिना परमिशन के लगे जलपरी शो के एक्वेरियम का शीशा अचानक पानी के दबाव के चलते टूट गया। हादसे में करतब दिखा रही युवती और तीन बच्चों समेत 10 लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर देख उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। घटना के मेले में अफरा—तफरी मच गई। मामले में कमेटी अध्यक्ष समेत सात लोगों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। घटना को लेकर अब कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। फखरपुर में हर वर्ष तीन दिवसीय दादा मियां मेला का आयोजन किया जाता है। आयोजक द्वारा इसमें बिना परमिशन के जलपरी शो भी दिखाया जा रहा था। मेले के दूसरे दिन सोमवार रात गल्ला गोदाम परिसर में तीन मिनट के नाम से जलपरी शो भी दिखाया जा रहा था।

इसकी चपेट में आकर करतब दिखा रही युवती समेत खालिदपुर निवासी 11 वर्षीय सादिक, 10 वर्षीय फहाद ,माधवपुर निवासी 10 वर्षीय अर्श, 28 वर्षीय कलीम, 30 वर्षीय कैसरुन समेत 10 लोग घायल हो गए। घायलों में सादिक और फहाद की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष राम कुमार राजभर ने बताया कि बिना परमिशन के शो का आयोजन किया जा रहा था, सुरक्षा व्यवस्था में रहे उपनिरीक्षक अनिल यादव की तहरीर पर हुजूरपुर के गाजीपुर शिवरहा निवासी चांद बाबू, कैसरगंज के एनी निवासी फैय्याज, बिहार बेतिया निवासी राहुल पटेल, शादाब, नदीम, रिजवान खान व मेला कमेटी अध्यक्ष वाजिद अली पर गंभीर धाराओं में मुकदमा लिखा गया।

कमेटी अध्यक्ष वाजिद अली ने बताया कि मेले में जलपरी का शो दिखाने वालों व झूला वालों ने कोई परमिशन नहीं ली थी। मेले की तरफ से भी कोई परमिशन नहीं दी गई थी। मेला कमेटी से उससे कोई लेना—देना नहीं है।

बलरामपुर पुलिस का डंका: आईजीआरएस रैंकिंग में प्रदेश में हासिल किया पहला स्थान



संवाददाता—बलरामपुर। जनशिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी निस्तारण के मामले में बलरामपुर पुलिस ने पूरे उत्तर प्रदेश में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। खास बात यह है कि जिले के एक—दो नहीं, बल्कि सभी 14 थानों ने भी शत—प्रतिशत अंक हासिल करते हुए प्रदेश की रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस प्रदर्शन से बलरामपुर पुलिस की संवेदनशीलता की प्रदेश स्तर पर मिसाल कायम हुई है।

इस बड़ी उपलब्धि के पीछे एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह का कुशल नेतृत्व, सख्त मॉनिटरिंग और जनशिकायतों के निस्तारण को लेकर अपनाई गई प्रभावी कार्यप्रणाली अहम रही। उनके निर्देशन में एएसपी एवं आईजीआरएस नोडल अधिकारी विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी आईजीआरएस उपनिरीक्षक श्रवण कुमार के अथक प्रयासों से जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी कार्यालयों एवं थानों पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित किया गया। एसपी ने जनशिकायतों के निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ विधिसम्मत समाधान किया जाए। इसी का परिणाम रहा कि अक्टूबर माह की मूल्यांकन रिपोर्ट में जनपद ने शत—प्रतिशत प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

बलरामपुर जिले के 14 थानों ने आईजीआरएस मूल्यांकन में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर शत—प्रतिशत सफलता दर्ज की। इनमें कोतवाली नगर, महिला थाना, ललिया, हरैया, महाराजगंज तराई, तुलसीपुर, कोतवाली गैसड़ी, पचपेड़वा, कोतवाली जरवा, कोतवाली उतरौला, सादुल्लानगर, श्रीदत्तगंज, गैण्डास बुजुर्ग और रेहरा बाजार शामिल हैं। इन सभी थानों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने जिले का मान बढ़ाया है। इस शानदार सफलता पर एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले थाना प्रभारियों, आईजीआरएस शाखा में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। शत—प्रतिशत परिणाम देकर पुलिस टीम ने जवाबदेही और जनसेवा की एक मिसाल पेश की है।

कउनो दाढ़ी वाला नेता भगा ले गया, अवार्ड शो में बृजभूषण शरण सिंह ने गाया अवधी गाना

संवाददाता—गोण्डा। बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का एक अवधी गीत गाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मंच पर बृजभूषण अवधी गीत गा रहे हैं। यही नहीं उनके साथ आयोजक समेत कई अन्य भी गीत गाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो अयोध्या में आयोजित अवधी अवार्ड शो—अवध की माटी से डिजिटल कार्यक्रम का बताया जा रहा है। वीडियो में बृजभूषण गीत गाते दिख रहे हैं कि कउनो हमरी अंगूठियां चोराई लै गया...हमरी ननदिया संइया के बहिनिया ..कउनो दाढ़ी वाला नेता भगाई लै गवा... हमरी पगड़िया संइया कै चुनरिया.. हमरी चुनारिया, संइया के पगड़िया. .कउनो रंग से रंग मिलाय लै गया. .कउनो हमरी पगड़िया चोराई ले गवा... बृजभूषण का गाया यह अवधी सोशल मीडिया का छाया हुआ है। बृजभूषण शरण सिंह का यह वीडियो जमकर शेयर किया जा रहा है।



यह कोई पहला मौका नहीं है जब पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मंच पर अवधी गीत गाते दिखे हो। इसके पहले भी कई बार मंच से गीत नजर आए हैं। कई साल पहले यह गीत पूर्व मंत्री स्वर्गीय पंडित सिंह के यहां आयोजित कार्यक्रम में भी गाया था। उस समय भी पंडित सिंह के साथ मंच पर गीत गाते बृजभूषण शरण सिंह का वीडियो खूब वायरल हुआ था। इस वार भी बृजभूषण का गीत गाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है।

आशा कार्यकर्त्रियों ने मांगों को लेकर दिया धरना, बुलंद की आवाज

संवाददाता—महराजगंज। पूर्व में बनी सहमति को लागू कराने समेत चार सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने जिला मुख्यालय परिसर में धरना दिया। अध्यक्ष संगीता के नेतृत्व में आशा कार्यकर्त्रियों ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। कार्यकर्त्रियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपकर जल्द समाधान कि मांग की। अध्यक्ष संगीता ने कहा कि बीते सात फरवरी को उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री की मध्यस्थता में 13 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी। इसके बाद आशा कर्मियों ने हड़ताल समाप्त कर दी थी, लेकिन सहमतियों को अब तक पूरी तरह लागू नहीं किया गया।

23 अक्टूबर को लखनऊ के इको गार्डन में मिशन निदेशक व अधिकारियों के साथ वार्ता में भी मांगों को पूरा करने का आश्वासन मिला था। उसी दिन दो अन्य आशा कार्यकर्त्रियों को सेवा कल्याणकारी दो सोसाइटी एक्ट में संगठन भी ध



रने पर थे। कार्यकत्रियों ने आरोप लगाया कि इसी कार्यक्रम के दौरान ऐक्टू के प्रदेश अध्यक्ष विजय विद्रोही, देवानंद, राजेश सिंह, कमला गौतम व छात्र नेता मनीष कुमार व भानु के खिलाफ आलमबाग थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आशाओं ने आरोप लगाया कि नेताओं के खिलाफ गलत तथ्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। संगठन ने घटना के समय की पुष्टि के लिए इको गार्डन के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने की भी मांग उठाई।आशा कार्यकर्त्रियों ने बकाया प्रोत्साहन राशि, जेएसवाई व टीबीआई का भुगतान दीपावली से पहले कराने और उसका विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही राज्य वित्त से मिलने वाले अंशदान में 4500 रुपये की बढ़ोतरी, प्रोत्साहन राशि में 50 प्रतिशत वृद्धि, मातृत्व अवकाश व साप्ताहिक व त्योहारी छुट्टी देने की मांग की। गांवों में आशा, संगिनी और एएनएम के लिए कक्ष उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई। इस दौरान संध्या, कुसमावती, मनोरमा, उषा, लक्ष्मी मद्धेशिया, कौशल्या, रमावती, शकुंतला, माधुरी, चंदा, निर्मला राणा और पूनम सिंह सहित अन्य आशाएं मौजूद रहीं।

दिल्ली पुलिस के बयान के खिलाफ सड़क पर उतरे अधिवक्ता, प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। दिल्ली पुलिस के वैधे और बयानों के खिलाफ मंगलवार को नौतनवा तहसील के अधिवक्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ता संगठन ने नौतनवा तहसील गेट से बाइक रैली निकाली और नारेबाजी करते हुए दिल्ली शाहदरा के एसपी को बर्खास्त किए जाने की मांग की। अधिवक्ताओं ने बयानों पर आक्रोश व्यक्त किया और कहा कि सरकार को तत्काल मामले का संज्ञान लेना चाहिए। पुलिस अधिकारी को बर्खास्त करते हुए अधिवक्ताओं से माफी मंगवानी चाहिए। अधिवक्ताओं ने कहा की मांगे पूरी नहीं होने पर आंदोलन और उग्र होगा। अधिवक्ताओं की बाइक रैली तहसील गेट से नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन करते हुए खनुवा चौराहा, गांधी चौक, अस्पताल चौक होते हुए कस्बे के हनुमान चौक पुरानी नौतनवा होते हुए वापस तहसील में आकर समाप्त हुई। यहां एक सभा का भी आयोजन किया गया। अधिवक्ताओं ने दिल्ली पुलिस पर जमकर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि अधिवक्ताओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी या भाषाओं को बिल्कुल ही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिवक्ता नागेंद्र शुक्ला ने कहा कि दिल्ली शाहदरा के एसपी को बर्खास्त किया जाए अन्यथा पूरे देश में सभी अधिवक्ता लामबंद होकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। अधिवक्ता संघ ने मुख्य न्यायाधीश, गृह मंत्रालय एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र तहसीलदार कर्ण सिंह को सौंप कर बताया कि जिस तरह से दिल्ली पुलिस के उक्त एसीपी द्वारा कालाकोट को अपशब्द कहे गए हैं वह अधिवक्ता कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। इस दौरान संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव, साधु शरण मिश्र, गिरीश त्रिपाठी, संतोष पांडेय, इब्राहिम शेख, सुनील गौड़, शत्रुघ्न यादव, गंगासागर मौर्य, दीपेंद्र कुमार प्रजापति, जितेंद्र, बुद्धेश, राजन, प्रमोद यादव, जयप्रकाश, रमेश चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

विपक्ष में घबराहट और बौखलाहट है, सत्ता का फायदा उठाकर देश को लूटा —कीर्तिवर्धन सिंह



संवाददाता—गोंडा। लोकसभा सीट से भाजपा सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रमुख फारुक अब्दुल्ला के बयानों पर पलटवार किया है। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, इन लोगों ने हमेशा सत्ता का दुरुपयोग कर देश को लूटने का काम किया है। आज जब इनके हाथों से सत्ता फिसल चुकी है, तो ये बेबुनियाद बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने लगातार तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री चुनकर देश का चौकीदार बनाया है। जनता सरकार के कार्यों और नीतियों का लाभ देख रही है। आगामी चुनावों में भी जनता विपक्ष के बयानों का जवाब देगी। पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पहले वहां निष्पक्ष चुनाव नहीं हो पाते थे, लेकिन जब जनता ने अपने मताधिकार का खुलकर प्रयोग किया तो भाजपा के प्रति भारी जनसमर्थन देखने को मिला। उनके मुताबिक, देश और समाज के भविष्य को आगे ले जाने के लिए जनता का विश्वास भारतीय जनता पार्टी में है।

जम्मू—कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर उठाए गए सवालों को लेकर भी मंत्री ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पहले एसआईआर का वास्तविक मतलब समझना चाहिए। कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, ष्मतदाता सूची से केवल उन्हीं लोगों के नाम हटाए गए हैं, जो दो जगह यानी गांव और शहर दोनों जगह पंजीकृत थे और उन्होंने किसी एक जगह का चयन किया, या फिर जो मतदाता अब इस दुनिया में नहीं रहे। मृत व्यक्तियों के नाम हटाना एक सामान्य और पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है। उसे केवल भाजपा के खिलाफ बयानबाजी और आरोप लगाने हैं, लेकिन जनता सब समझती है और आने वाले चुनावों में विपक्ष की इन कोशिशों का जवाब देगी।

आजम खान की गिरफ्तारी पर सपा का प्रदर्शन

संवाददाता—कुशीनगर। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आजम खान की रिहाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ग्म्) द्वारा दोबारा की गई गिरफ्तारी के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले सभी सपा कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर एकत्र हुए थे। प्रदर्शन को अनोखा रूप देने के लिए कुछ कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से जेल के कैदियों वाली ड्रेस पहनकर भी जांच कराने की भी मांग उठाई।आशा कार्यकर्त्रियों ने बकाया प्रोत्साहन राशि, जेएसवाई व टीबीआई का भुगतान हाथों में लोहे की जंजीरें बांधकर पहुंचे थे। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान की बिना शर्त और तत्काल रिहाई की मांग उठाई। सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी रामअवध यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार आजम खान का लगातार उत्पीड़न कर रही है। रिहाई के तुरंत बाद म्ह द्वारा दोबारा की गई गिरफ्तारी से पूरी पार्टी और कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी व आक्रोश है। उन्होंने कहा कि आजम खान को जल्द से जल्द रिहा किया जाना चाहिए और इसी मांग को लेकर आज ज्ञापन सौंपा गया है।

सपा के वरिष्ठ नेता इलियास अंसारी ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश के इतिहास में सरकारी उत्पीड़न का यह पहला मामला है, जहां सरकार खुद कानून का उल्लंघन कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा ज्ञापन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति से इस पूरे मामले का संज्ञान लेने की मांग कर रही है। सपा नेताओं ने साफ किया कि पार्टी इस अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

विवाहिता की मौत पर बवाल, मायके वालों को दौड़ाकर पीटा



संवाददाता—देवरिया। रामपुर कारखाना कस्बे में विवाहिता की मौत के बाद मंगलवार दोपहर 12 बजे जमकर बवाल हुआ। मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाया तो दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। मारपीट से मौके पर अफरा—तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभाली। दोनों पक्षों के लोग थाने पहुंच गए। पुलिस दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर रही है। नगर पंचायत रामपुर कारखाना के शिव मंदिर वार्ड निवासी शीतल जायसवाल (23) पत्नी आशीष जायसवाल की सोमवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन उसे लेकर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां देर शाम करीब 7 बजे चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

शीतल की शादी 5 फरवरी 2022 को गौरीबाजार नगर पंचायत के वार्ड नंबर पांच निवासी हरि जायसवाल की बेटी शीतल से आशीष जायसवाल के साथ हुई थी। उसका तीन साल का एक बेटा है। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल में शीतल को प्रताड़ित किया जाता था। करीब एक साल पहले भी विवाद होने पर पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा था। इसके बाद मायके वाले शीतल को अपने घर ले गए थे। आरोप है कि करवा चौथ के दिन आशीष उसे गौरीबाजार से रामपुर कारखाना स्थित अपने घर ले आया था।

मंगलवार को शीतल की मौत की जानकारी मिलने पर मायके पक्ष के लोग रामपुर कारखाना पहुंचे। वहां ससुराल पक्ष से कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई। सूचना पर थानाध्यक्ष अश्विनी प्रधान, उपनिरीक्षक अंतिमा मौर्य और ज्योति नारायण तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को शांत कराया। थानाध्यक्ष अश्विनी प्रधान ने बताया कि विवाहिता की मौत के मामले में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है। तहरीर मिलने पर इस मामले में भी कार्रवाई की जाएगी।

मां की गोद से दो माह की मासूम रहस्यमय ढंग से लापता

संवाददाता—महराजगंज। ठूठीबारी के ग्राम राजाबारी टोला रमजीता में अपनी मां की गोद में सुकून से सो रही दो माह की मासूम रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। इस मासूम को उसकी मां ने रात दो बजे तक दूध पिलाया था। सुबह जब आंख खुली तो बच्ची गायब थी। कमरे का बल्ब ढका था और खिड़की खुली थी। इससे मासूम के अपहरण की आशंका जताई जा रही है। घर में कोहराम मच गया है और मासूम के माता—पिता का रो—रोकर बुरा हाल हो गया है। बताया जा रहा है कि सोमवार की रात दंपति अपनी दो माह की बच्ची के साथ कमरे में सो रहे थे। रात करीब दो बजे मां ने मासूम को दूध पिलाया था। इसके बाद बच्ची सो गई और माता—पिता भी उसी कमरे में सो गए। परिवार के मुताबिक, रात करीब 2.30 बजे के बाद किसी समय बच्ची रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गई। मंगलवार सुबह जब परिजनों की



नींद खुली तो बच्ची बिस्तर पर नहीं थी। कमरे में तलाश करने के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चला। इस दौरान कमरे का बल्ब कपड़े से ढंका मिला और खिड़की खुली हुई थी। परिजनों के मुताबिक, रात में पति—पत्नी तख्त को दरवाजे से सटाकर सोए थे। ऐसे में कमरे से मासूम के अचानक गायब होने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बच्ची के गायब होने की खबर फैलते ही गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों और ग्रामीणों ने आसपास के संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मां की हालत रोते—रोते बेहाल हो गई है। जिस मासूम को कुछ घंटे पहले तक वह अपनी गोद में लेकर दुलार रही थी, उसके अचानक लापता होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सूचना मिलते ही ठूठीबारी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। कमरे की स्थिति, ढंका हुआ बल्ब और खुली खिड़की समेत अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। मासूम के अपहरण की आशंका को देखते हुए उसकी तलाश डॉग स्क्वॉयड टीम के सहयोग से तेज कर दी गई है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम गठित कर बच्ची की तलाश कर रही है। डॉग स्क्वॉयड टीम की भी मदद ली जा रही है।

दूसरे दिन भी गड़ौरा मिल कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। । गड़ौरा स्थित जेएचवी चीनी मिल में कर्मचारियों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। वेतन कटौती, दशहरा की छुट्टी में कटौती और पुराने बकाये का भुगतान नहीं होने से नाराज मिल कर्मियों ने मंगलवार को दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार जारी रखा। बड़ी संख्या में कर्मचारी मिल गेट पर एकत्र हुए और प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी कर अपनी मांगों को लेकर विरोध जताया। कर्मचारियों का आरोप है कि मिल के कैलेंडर और स्टैंडिंग ऑर्डर के अनुसार दशहरा पर्व पर चार दिन का अवकाश निर्धारित था, लेकिन प्रबंधन ने छुट्टी घटाकर तीन दिन कर दी। कर्मचारियों ने जब चौथे दिन का अवकाश देने की मांग उठाई तो सोमवार दोपहर से हाजिरी कार्यालय में ताला बंद करा दिया गया।

इससे कर्मचारियों में नाराजगी और बढ़ गई। उनका कहना है कि छुट्टी में कटौती के साथ एक दिन का वेतन भी काट लिया गया, जो उनके साथ अन्याय है। गड़ौरा मिल मजदूर यूनियन के अध्यक्ष डॉ. नवल किशोर मिश्रा ने कहा कि मिल प्रबंधन के रवैये से कर्मचारी परेशान हैं। कर्मचारियों का पिछले माह का वेतन और बोनस दीपावली से पहले भुगतान किया जाना था, लेकिन अब तक इस दिशा में संतोषजनक पहल नहीं हुई है। त्योहार के समय वेतन और बोनस नहीं मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यूनियन ने प्रबंधन से दशहरा की निर्धारित छुट्टी बहाल करने, काटे गए एक दिन के वेतन का भुगतान करने तथा लंबित वेतन और बोनस तत्काल देने की मांग की है। चेतावनी दी कि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

अयोध्या में दीपोत्सवः महर्षि वशिष्ठ की भूमिका में नजर आएंगे गृहमंत्री अमित शाह, करेंगे रामलला का राजतिलक



संवाददाता—अयोध्या। रामनगरी अयोध्या एक बार फिर त्रेतायुग की दिव्य आभा को साकार करने की तैयारी में है। दीपों की कतारों के बीच इस बार दीपोत्सव का एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। सात नवंबर को आयोजित होने वाले दीपोत्सव में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह महर्षि वशिष्ठ की भूमिका में भगवान श्रीराम का राजतिलक करेंगे। अब तक यह परंपरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निभाते रहे हैं, लेकिन इस बार गृहमंत्री रामलला और माता सीता का राजतिलक कर उनकी आरती उतारेंगे। आयोजन को त्रेतायुगीन स्वरूप देने के लिए पुष्पक विमान के प्रतीक हेलीकॉप्टर से भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के स्वरूपों को लाने की तैयारी है। दीपोत्सव की आभा केवल राम की पैड़ी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरी अयोध्या दीपों और रोशनी के उजास में नहाएगी। राम की पैड़ी के आसपास के भवनों को एक रंग में सजाया जा रहा है। सड़क किनारे खड़े बिजली के खंभों से लेकर पुलों, गलियों, मोहल्लों, चौराहों, घाटों और मठ—मंदिरों तक विद्युत सजावट की जा रही है। शहर के पार्क में भव्य रामदरबार आकार ले रहा है। यहां प्रभु श्रीराम माता सीता, अनुजों और हनुमानजी के साथ विराजेंगे। रामदरबार के सामने ही अतिथियों के बैठने का इंतजाम किया जा रहा है। गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित विशिष्ट अतिथियों और संत—धर्माचार्यों के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। दीपोत्सव की सबसे आकर्षक झलक सरयू तट पर दिखाई देगी। यहां गृहमंत्री अमित शाह 5100 बातियों से महाआरती करेंगे। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मौजूद रहेंगी। आरती के लिए 30 गुणे 20 वर्गफीट का मंच तैयार किया जा रहा है। इसी मंच से गृहमंत्री आतिशबाजी का विहंगम दृश्य भी देखेंगे। सरयू की लहरों पर दीपों का प्रतिबिंब और आकाश में आतिशबाजी की रंगीन छटा दीपोत्सव की भव्यता को नया आयाम देगी। 2147 अर्चकों व बटुकों की ओर से सरयू की महाआरती की जाएगी। दीपोत्सव की भव्यता का साक्षी केवल आयोजन स्थल पर पहुंचने वाला व्यक्ति ही नहीं होगा। शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर एलईडी स्क्रीन लगाकर आयोजन का सीधा प्रसारण दिखाने की तैयारी है। कमिश्नर नवदीप रिणवा और डीएम नितीश कुमार के अनुसार रामघाट, कारसेवकपुरम, दंतधावनकुंड, टेढ़ी बाजार, उदया, रानोपाली, अशफी भवन, छोटी छावनी, हनुमानगढ़ी, बेनीगंज, साहबगंज, रीडगंज, गुदड़ी बाजार, चौक बाजार, फतेहगंज, मकबरा, नाका चुंगी, प्रयागराज रोड, रायबरेली रोड, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, पुष्पराज चौराहा, सिविल लाइन और गांधी पार्क सहित प्रमुख स्थानों पर एलईडी स्क्रीन स्थापित की जाएंगी। अयोध्या कैंट के हनुमानगढ़ी चौराहे पर भी स्क्रीन लगाई जाएगी। कई स्थानों पर स्थायी एलईडी स्क्रीन भी स्थापित हैं।

पैड़ा वाले बाबा के संकल्प को मिलेगी नई उड़ान



पैड़ा धाम में 6 दिसम्बर से नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा सुंदर दास जी महाराज करेंगे निःशुल्क कथा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पैड़ा धाम में सनातन धर्म और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के उद्देश्य से नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा व्यास सुंदर दास जी महाराज द्वारा किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत 5 दिसम्बर को भव्य कलश यात्रा के साथ होगी, जबकि 6 दिसंबर से श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा। सुंदर दास जी महाराज ने आयोजन की पृष्ठभूमि साझा करते हुए बताया कि पैड़ा वाले बाबा ने पैड़ा धाम में पूज्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज की कथा कराने का संकल्प लिया था। इसी संकल्प को साकार करने की भावना से उन्होंने 36 दिनों तक पदयात्रा कर बागेश्वर धाम सरकार के दर्शन किए और कथा आयोजन के लिए प्रयास शुरू किए। सुंदर दास जी महाराज ने न्याय मार्ग पर बताया कि बागेश्वर धाम सरकार की कथा का आयोजन कोई सामान्य आयोजन नहीं है। इसके लिए बड़े स्तर पर आर्थिक संसाधनों और व्यापक जनसहयोग की आवश्यकता होती है। इसी क्रम में पैड़ा वाले बाबा ने जनसहयोग की मुहिम शुरू की और शहर के विभिन्न स्थानों पर बैठकर श्रद्धालुओं से स्वेच्छा से सहयोग देने की अपील की। हालांकि, अपेक्षित सहयोग और परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें लगा कि इस तरह कथा का आयोजन संभव नहीं हो पाएगा। इससे वे काफी निराश हुए और हताशा में स्वयं को क्षति पहुंचाने का प्रयास भी किया, जो किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि इन्हीं परिस्थितियों के बीच उन्होंने पैड़ा वाले बाबा के संकल्प को मजबूती देने और उन्हें मानसिक संबल प्रदान करने का संकल्प लिया। इसी के तहत पैड़ा धाम में नौ दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन बिना किसी दक्षिणा के करने का निर्णय लिया गया है। सुंदर दास जी महाराज ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि सनातन धर्मावलंबियों का कल्याण, धर्म और अध्यात्म का प्रचार—प्रसार तथा पैड़ा वाले बाबा के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करना है। उन्होंने श्रद्धालुओं से कथा में सम्मिलित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

शिक्षिका की लाश ले सड़क पर उतरे लोग, एनकाउंटर और बुलडोजर ऐक्शन की मांग

संवाददाता—गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को शिक्षिका का शव लेकर लोग सड़क पर उतर गए। वे शिक्षिका के हत्यारोपी के एनकाउंटर और बुलडोजर ऐक्शन की मांग करने लगे। सोमवार की देर रात शिक्षिका का शव उसके गांव पहुंचा था। मंगलवार की सुबह छह बजे शिक्षिका के परिवारीजनों ने उसका शव सड़क पर रखकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस और क्षेत्रीय विधायक ई.सरवन निषाद ने परिवारीजनों और ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया। विधायक ई.सरवन निषाद ने कहा कि अपराधी चाहे जिस जाति या धर्म का होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने पुलिस से भी मामले में सख्त कार्रवाई करने की बात कही।



पुलिस ने इस मामले में आरोपी स्कूल मैनेजर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया था। मंगलवार को शिक्षिका का शव लेकर प्रदर्शन कर रहे परिवारीजनों ने आरोपी स्कूल मैनेजर विजय निषाद के स्कूल को बुलडोजर लगाकर ध्वस्त कराने की मांग की। इसके साथ ही मामले में तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और मुख्य आरोपी के एनकाउंटर की भी मांग करने लगे। परिवारीजनों और ग्रामीणों के प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे एसडीएम रवि कुमार सिंह और सीओ कुंदन सिंह ने परिवारीजनों से बात कर उन्हें शांत कराने की कोशिश की।

एसडीएम ने शिक्षिका के परिवारीजनों से मांग पत्र लिया। उन्होंने बताया कि मामले में कार्रवाई के लिए टीम गठित की गई है। सभी आरोपितों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। स्कूल को सील करने की भी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने परिवारीजनों को आर्थिक सहायता दिए जाने की भी मांग की। एसडीएम ने कहा कि प्रक्रिया पूरी कर सरकारी सहायता मुहैया कराई जाएगी।

शिक्षिका की लाश सड़क पर रखकर प्रदर्शन कर रहे परिवारीजनों के पास सपा के जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम भी पहुंचे। उन्होंने परिवारीजनों को ढांढस बंधाया और परिवार को न्याय दिलवाने का आश्वासन दिया। ओबीसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष कालीशंकर यदुवंशी और विश्वकर्मा संघ के लोग भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिवारीजन दाह संस्कार के राजी हो गए। शिक्षिका का बोहबार नदी के घाट पर दाह संस्कार किया गया।

चलती कार से महिला शिक्षक के फेंके गए शव के मामले में पुलिस ने विद्यालय प्रबंधक को हिरासत में ले लिया है। सूत्रों का दावा है कि आरोपी ने पूरा राज उगल दिया है। महिला शिक्षक से विद्यालय प्रबंधक का प्रेम प्रसंग था। शादी का दबाव बनाने पर छुट्टी के दिन विद्यालय बुलाया और घुमाने का झांसा देकर कार में ले जा गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने कार को भी बरामद कर लिया है।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन से 14 लाख गांजे के साथ आरोपी तस्कर गिरफ्तार



संवाददाता—गोरखपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), अपराध आसूचना शाखा (सीआइबी) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त टीम ने स्टेशन पर 14.200 किलोग्राम गांजे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 14.20 लाख रुपये बताई जा रही है। रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल की यह बड़ी कार्रवाई है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल लखनऊ एवं सहायक सुरक्षा आयुक्त गोरखपुर के निर्देशन में तीन नवंबर, 2026 को मुखबिर की सूचना पर संयुक्त टीम गोरखपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो के पूर्वी छोर पर संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी व जांच कर रही थी।

इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर जांच करने पर उसके कब्जे से दो पिट्ठू बैगों में रखे तीन पैकेटों में कुल 14.200 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान प्रेम शंकर साहनी (29 वर्ष), निवासी ग्राम भागीरथपुर जूटमिल, थाना कल्याणपुर, जिला समस्तीपुर, बिहार के रूप में हुई है। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त, बरामद मादक पदार्थ एवं संबंधित अभिलेख अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए जीआरपी गोरखपुर को सुपुर्द कर दिया गया है। संयुक्त कार्रवाई में आरपीएफ पोस्ट गोरखपुर के कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार, उप निरीक्षक अमित कुमार उपाध्याय, उप निरीक्षक सत्यम दुबे, सहायक उप निरीक्षक बृजराज यादव सहित आरपीएफ स्टाफ, सीआइबी गोरखपुर क्षेत्र के उप निरीक्षक बृजेश कुमार आर्य, सीआईबी फील्ड मुख्यालय के सहायक उप निरीक्षक घनश्याम यादव तथा जीआरपी गोरखपुर के उप निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल द्वारा स्टेशन और ट्रेनों के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार सतर्क निगरानी व अभियान चलाया जा रहा है।

बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, सात लोग घायल

संवाददाता—गोरखपुर। । पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड नंबर 12 स्थित बंजारा टोला में बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर मंगलवार सुबह दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से ईंट—पत्थर और लाठी—डंडे चले। मारपीट में करीब सात लोग घायल हो गए। घटना के बाद दोनों पक्षों ने पीपीगंज थाने पहुंचकर एक—दूसरे के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार बंजारा टोला निवासी मंसूर अली और इदू के परिजनों के बीच मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बच्चों के विवाद को लेकर कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष आमने—सामने आ गए। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर पर चढ़कर लाठी—डंडों से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों तरफ से जमकर मारपीट और ईंट—पत्थरबाजी हुई। मारपीट में एक पक्ष से मंसूर अली की पत्नी सकीना खातून (40), बेटी मुस्कान (22), सजरुन निशा (40), सलोनी (14) और साहिबा खातून (13) घायल हो गईं। वहीं दूसरे पक्ष से इदू की पत्नी और बेटी को भी चोटें आई हैं। दोनों पक्षों से कुल करीब सात लोगों के घायल होने की जानकारी है।

जनहित के मुद्दों पर आर—पार की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस

संवाददाता—गोरखपुर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में मासिक बैठक की गई। बैठक में दिल्ली में आयोजित रैली में शामिल होने के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया गया। साथ ही आगामी चुनाव की रणनीति, संगठन की मजबूती पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की रैली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश और ऊर्जा भरने का काम किया है। अब इस ऊर्जा को संगठन की मजबूती और जनता के अधिकारों की लड़ाई में लगाया जाएगा। कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर चुप बैठने वाली नहीं है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, युवाओं के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और आम आदमी से जुड़े सवालों को लेकर पार्टी सड़क से लेकर हर लोकतांत्रिक मंच तक अपनी आवाज बुलंद करेगी।उन्होंने आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करते हुए कहा की संगठन की मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों, विचारधारा और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर निरंतर संवाद स्थापित किया जाए।

PUBLIC NOTICE

I, Arun Pathak, resident of Village Palhanapur, Post Diwakrpur, Police Station Paikolia, Tehsil Harraiya, District Basti, Uttar Pradesh, hereby inform the general public that my daughter's name is Sridhi Pathak.

However, her name has been incorrectly mentioned as Siddhi Pathak in her Aadhaar Card.

I hereby declare that the incorrect name Siddhi Pathak should be corrected to Sridhi Pathak in her Aadhaar Card.

संविधान की हत्या की कोशिश करने वालों को जनता देगी जवाब -रवि किशन

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अगुवाई में चार नवंबर को आयोजित होने वाली 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को लेकर सांसद रवि किशन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में आयोजित होने वाली इस पदयात्रा के जरिये संविधान की हत्या करने की कोशिश करने वालों और अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ जनता तक संदेश पहुंचाया जाएगा। यह पदयात्रा देश और राष्ट्रीय एकता के लिए होगी। इसे भव्य बनाया जाएगा। जनता संविधान की हत्या की कोशिश करने वालों को जवाब देगी। सांसद ने कहा कि 15 से 20 जिलों के हजारों कार्यकर्ता इस पदयात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष जिस प्रकार रिजिम चेंज और दंगे फैलाने की कोशिश कर रहा है, उसपर इस पदयात्रा में बात होगी। उन्होंने कहा कि इस पदयात्रा का उद्देश्य देश की एकता का संदेश देना है। देश विरोधी ताकतों के खिलाफ यह पदयात्रा नजीर बनेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें देश की सामाजिक एकता को प्रभावित करने का प्रयास कर रही हैं। इस 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें प्रमुख रूप से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी शामिल हैं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 147/2026

न्यायालय— श्रीमान अपर सिविल जज (जू0डि0) कक्ष सं0—1 स्थान—सिद्धार्थनगर जिला—सिद्धार्थनगर

श्रीमती राजकुमारी

बनाम

अजय श्रीवास्तव आदि

1. अजय श्रीवास्तव उम्र करीब 42 साल 2. संतोष श्रीवास्त उम्र करीब 40 साल 3. विवेक श्रीवास्त उम्र करीब 35 साल पुत्रगण स्व0 रामदेव लाल —प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

4. पुनवासी यादव वागिल पुत्र रामनरेश —प्रतिवादी द्वितीय पक्ष

समस्त निवासीगण साकिनन पकड़ी तप्पा बरहो परगना नौगढ़ पोस्ट पकड़ी तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 21—12—2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **21—12—2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख **03—11—2026** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 207/2026

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

साजिदा खातून

बनाम

अकिमुन्निशा आदि

1. अकिमुन्निशा पत्नी निसार अहमद 2. निसार अहमद पुत्र शमीउल्लाह 3. मो0 आरिफ खान 4. मो0 अशफाक खान पुत्रगण निसार अहमद निवासीगण ग्राम सीतारामपुर टोला करमहिया पोस्ट रमवापुर तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 06—11—2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **06—11—2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख **03—11—2026** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 243/2026

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

साजिदा खातून

बनाम

मो0 आरिफ खान आदि

1. मो0 आरिफ खान 2. मो0 अशफाक खान पुत्रगण निसार अहमद 3. निसार अहमद पुत्र समीउल्लाह निवासीगण ग्राम सीतारामपुर टोला करमहिया पोस्ट रमवापुर तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 08—12—2026

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **08—12—2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख **03—11—2026** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

वकीलों ने कलेक्ट्रेट में घुसकर किया प्रदर्शन, अधिकारियों पर वसूली का लगाया आरोप



संवाददाता—संतकबीरनगर। खलीलाबाद तहसील के अधिवक्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। इसके बाद इन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित मांगों का ज्ञापन डीएम अनुज मलिक को सौंपा। इन्होंने कहा कि खलीलाबाद तहसील के अधिकारी व कर्मचारी अपने दायित्वों का सही से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। ये भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। समस्या के जल्द निस्तारण न होने पर धरना—प्रदर्शन करने की बात कही।

अधिवक्ताओं ने कहा कि खलीलाबाद तहसील स्थित राजस्व न्यायालय में कई माह तक पत्रावलियां पड़ी व धूल फांकती रहती हैं। वे पैरवी करते—करते थक जाते हैं। वहीं बादकारी दौड़ते—दौड़ते परेशान होकर तहसीली में पल रहे दलालों से संपर्क कर लेते हैं। इनके जरिए उनका अधिकारी,कर्मचारी जल्द काम कर देते हैं। इससे अधिवक्ता व राजस्व न्यायालय की छवि धूमिल हो रही है। कभी—कभी न्यायालय अथवा कार्यालय से पत्रावली गायब भी हो जाती है। अधिवक्ता के जरिए दाखिल की जाने वाली आपत्तियों को दलालों से रिश्वत लेकर पत्रावली से निकालकर फेंक दिया जाता है। उसके बाद निर्विवाद कहकर आदेश पारित कर दिया जाता है। इस तहसील के लेखपाल नियमों की अवहेलना करते हुए प्राइवेट मुंशी रखकर उनसे धनउगाही करवाते हैं।

अधिवक्ताओं से कारण जाने बगैर याचिका खारिज कर दी जा रही है। उन्होंने डीएम से कहा कि कभी भी वह शाम के छह बजे के बाद खलीलाबाद तहसील की जांच कर लें,सच्चाई सामने आ जाएगी। इस अवसर पर करुणानिधि पाण्डेय,मो. नोमान सिद्दीकी,मो.शाहिद,सिद्धार्थ पाण्डेय,सुरेंद्र कुमार द्विवेदी,केसी पाण्डेय,उदय कुमार,प्रदीप पाण्डेय सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0—353/26

धारा 198 (4) Z.A.Act

अदालत— श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय बस्ती जिला बस्ती

रामचन्दर

बनाम

मगन आदि

1. मगन 2 भोला 3. रामजीत पुत्रगण झिनकान साकिन बेलाडेशुवल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला —बस्ती

तारीख पेशी 16—11—2026

वाजेब हो कि ने ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राम बुझारत पुत्र स्वर्गीय हरीराम ग्राम— कटेसर पोस्ट— रसलपुर (तरेता) थाना— पुरानी बस्ती जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरी बालिग पुत्री खुशी सौरभ कुमार पुत्र राम औतार चमनगंज चौराहा बड़कुइयां थाना— वाल्टरगंज जनपद बस्ती (उ.प्र.) के साथ अपनी मर्जी से चली गई है। 26—10—2026 को दोनों पक्षों में पुरानी बस्ती थाने में सुलह समझौता हुआ। तय हुआ कि सौरभ कुमार मेरी पुत्री खुशी को बतौर पत्नी रखेगा। अब मेरा अपनी पुत्री खुशी के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है। अपने किये के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति और परिवार से बेदखल कर रहा हूं। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जगदीश प्रसाद पाण्डेय पुत्र स्वर्गीय राम प्रताप पाण्डेय निवासी सोना देवी मार्ग राम प्रसाद नगर मौनी माझा वासुदेवघाट अयोध्या (उ.प्र.) का निवासी हूं। मेरा ज्येष्ठ पुत्र शिवम प्रसाद पाण्डेय उम्र लगभग 27 वर्ष मेरे कहने—सुनने में नहीं है। मनमानी करता है व गलत लोगों की संगत में बिगड़ गया है। मैं इसके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कार्यकलाप एवं गतिविधियों व लेन—देन के लिए जिम्मेदार नहीं हूं। यदि कोई भी किसी प्रकार का सम्बन्ध रखता है अथवा उसके कार्यकलाप व गतिविधियों में संलिप्त होता है व लेन—देन करता है तो स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा या मेरे परिवार का कोई भी सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com